ON4CRD

खंड 03

मेरा पहला QSO



Radio Club Durnal ON4CRD

https://on4crd.be

कानूनी सूचना

खंड 03 · मेरा पहला QSO

वेबसाइट प्रकाशक : Radio Club Durnal ON4CRD

प्रकाशन प्रबंधक : Radio Club Durnal ON4CRD समिति

https://on4crd.be

कानूनी सूचना

बौद्धिक संपदा

साइट पर प्रकाशित पाठ, चित्र, दस्तावेज़, लोगो और सामग्री उनके संबंधित लेखकों या क्लब की संपत्ति बने रहेंगे। किसी भी पुनरुत्पादन या पुन: उपयोग को स्रोत, लागू अधिकारों और किसी भी लेखक की अनुमति का सम्मान करना चाहिए।

दायित्व

क्लब उपयोगी और सत्यापित जानकारी प्रकाशित करने के लिए काम करता है, लेकिन त्रुटियों, चूक या रुकावटों की अनुपस्थिति की गारंटी नहीं देता है। जब तकनीकी या नियामक जानकारी किसी निर्णय का समर्थन करती है तो उसे आधिकारिक स्रोतों से जांचा जाना चाहिए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से बनाए गए चित्र।

बड़ा दिन



Lucas वैध ऑपरेटर प्रमाणपत्र लेकर क्लब आता है।



स्टेशन तैयार गतिविधि के लिए अधिकृत है।



मार्गदर्शक (Simon) भी उतने ही उत्साह से मिलते हैं।



आज उसके पहले QSO की उम्मीद है।



माइक्रोफ़ोन देखकर दिल तेज़ धड़कता है।



हर कदम उसकी गति से होगा।

चाहत और सवाल



उसने बहुत सुना, पर बोलना अलग लगता है।



वह जवाब देती किसी आवाज़ की कल्पना करता है।



पहली कॉल में शब्द भूल गया तो?



मार्गदर्शक कुछ संकेत तैयार करने को कहते हैं।



सब रटने के बजाय वह कॉपी खोलता है।



किसी से मिलने की चाहत सबसे प्रबल है।

शर्तें जाँची गईं



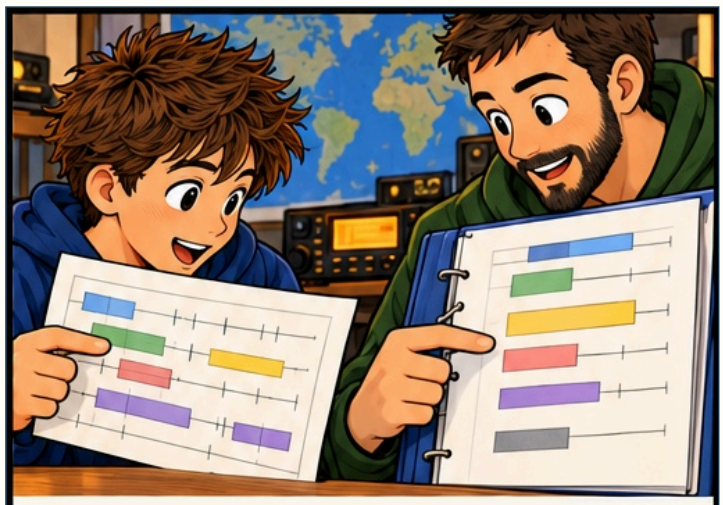
वे प्रमाणपत्र और स्टेशन की शर्तें फिर पढ़ते हैं।



चुना बैंड उनकी स्थिति में अनुमत होना चाहिए।



मोड और लागू शक्ति भी जाँचते हैं।



बैंड योजना तैयारी पूरी करती है।



प्रसारण से पहले आधिकारिक स्रोतों से संदेह मिटाते हैं।



वह समझता है कि यह गतिविधि उसके लिए क्यों अनुमत है।

अपना कॉलसाइन



वह रेडियो पर उपयोग की पहचान तैयार करता है।



जाँची शर्तों में यह उसका अपना कॉलसाइन है।



मार्गदर्शक के सामने स्पष्ट दोहराता है।



अस्पष्ट भागों की स्पेलिंग की भी तैयारी है।



उदाहरण का कॉलसाइन अपना नहीं मानेगा।



स्टेशन की सही पहचान बातचीत का हिस्सा होगी।

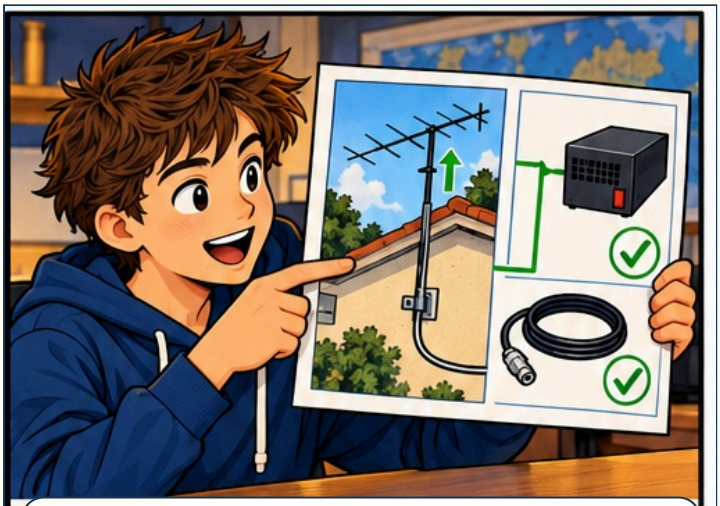
स्टेशन तैयार



उपयोग से पहले तय तकनीकी जाँच होती है।



उपकरण बंद आवरण में, निर्देशानुसार लगा है।



एंटीना और बिजली व्यवस्था तैयार स्थापना के अनुरूप हैं।



वह कॉपी हाथ की पहुँच में रखता है।



मार्गदर्शक अंतिम बिंदु साथ जाँचते हैं।



तैयार होकर वे पहले रिसीव करते हैं।

सुनने की शुरुआत



रिसीवर पर बातचीत पहले से चल रही है।



वह जवाब देती आवाज़ों को सुनता है।



परिचय, सवाल और विराम पहचानता है।



मार्गदर्शक लय समझने का समय देते हैं।



कॉपी में शुरुआती अवलोकन आते हैं।



अपने संपर्क से पहले भी दूसरों से सीखता है।

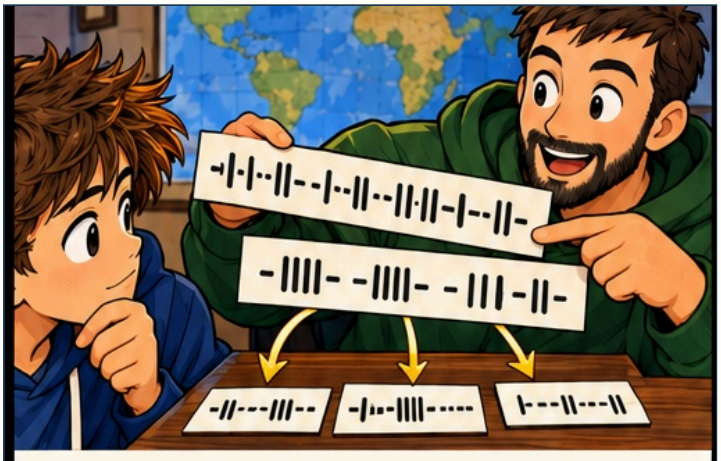
दो लोगों की बातचीत



दोनों दूसरे को बात पूरी करने देते हैं।



जवाब पिछली बात के हिस्से से जुड़ते हैं।



संपर्क दो अलग एकालाप नहीं है।



वह सुनने की जगह भी रखता है।



मार्गदर्शक पन्ने पर वह जगह दिखाते हैं।



उसे बातचीत में अपनी भूमिका समझ आने लगती है।

पूछने का अधिकार



सुनी बातचीत का एक शब्द छूट जाता है।



नोट भरने के लिए वह उसे गढ़ता नहीं।



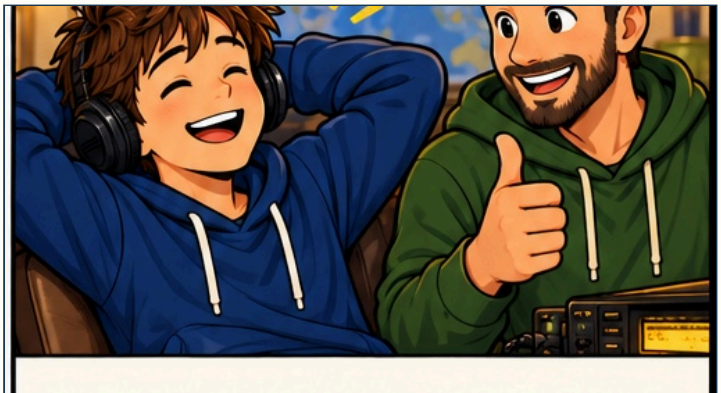
मार्गदर्शक याद दिलाते हैं: दोबारा पूछ सकते हैं।



वे सामने बैठकर विनम्र अनुरोध आज़माते हैं।



यह विकल्प भी संकेतों में रखता है।



समझने का दिखावा नहीं करना पड़ेगा।

कुछ संकेत काफ़ी हैं



वे छोटी कॉल की पर्ची तैयार करते हैं।



वह अपनी पहचान और मकसद रखता है।



फिर जवाब की जगह छोड़ता है।



बाकी जानकारी संपर्क में आएगी।

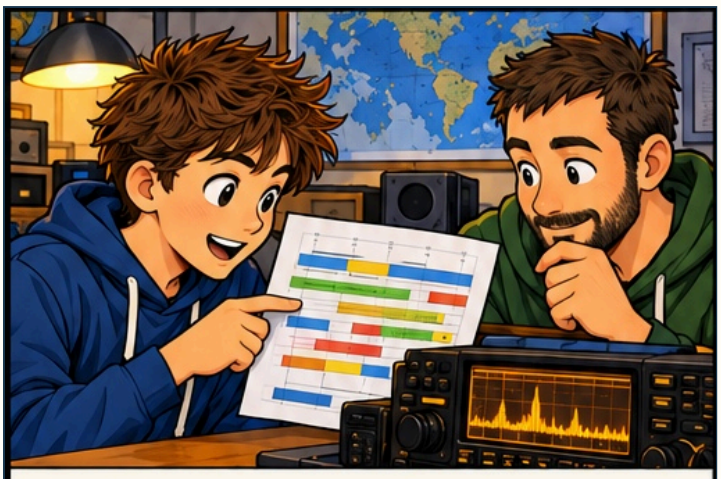


वह कमरे में सामान्य आवाज़ से अभ्यास करता है।



पन्ना ढाढ़स देता है, बातचीत बाँधता नहीं।

जगह की तलाश



वे गतिविधि के अनुकूल बैंड का हिस्सा देखते हैं।



सोची आवृत्ति शुरू में शांत लगती है।



Lucas तुरंत शुरू करना चाहता है।



Simon और देर सुनने को कहते हैं।



वे पास के संकेत देखते और सुनते हैं।



क्षणभर का आभास चुनाव के लिए काफ़ी नहीं।

लगभग छिपी आवाज़



इंतज़ार में कमज़ोर आवाज़ फिर सुनाई देती है।



पहले वह उसे अलग नहीं पहचान पाया था।



जल्द ही दूसरा स्टेशन जवाब देता है।



शांति के बावजूद आवृत्ति उपयोग में थी।



वे संपर्क में बाधा डाले बिना सुनते हैं।

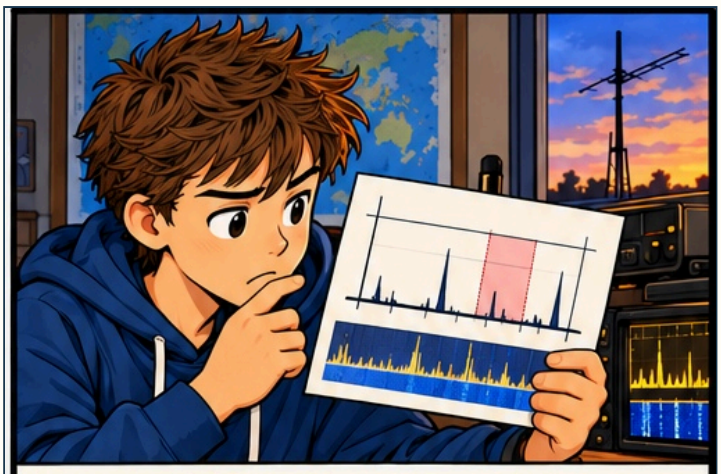


उसे शुरुआती धैर्य का लाभ समझ आता है।

बातचीत चलने दें



वे कुछ और बोलने की बारी सुनते हैं।



वह समझता है: यहाँ पहले से संपर्क है।



यहाँ कॉल तैयार करना छोड़ देता है।



मार्गदर्शक शांत निर्णय से सहमत हैं।



वे तय ढाँचे में दूसरी जगह खोजेंगे।



चलते संचार का सम्मान उसकी आदत बन रहा है।

दूसरी राह



वे बैंड के संकेत फिर देखते हैं।



वह दूसरी संभावित आवृत्ति पाता है।



आगे बढ़ने से पहले मोड जाँचता है।



वे फिर शुरुआत से सुनते हैं।



बदलाव किसी जाँच को हटाता नहीं।



कॉपी बिना जल्दबाज़ी की प्रगति रखती है।

चुनाव के लिए समय



अब पास का शोर सुनना कठिन बनाता है।



वह अनुमान नहीं, सुनी बात का वर्णन करता है।



वे पुराने अवलोकनों से तुलना करते हैं।



लक्ष्य अनुमत ढाँचे में स्पष्ट संपर्क है।



बेतरतीब सेटिंग बदलने के बजाय उपयुक्त स्थिति खोजते हैं।



पहला संपर्क सही तैयारी का इंतज़ार कर सकता है।

अधिक साफ़ रिसेप्शन



नई जगह सुनने की बेहतर स्थिति देती है।



वे फिर तैयारी से उसका मेल जाँचते हैं।



वह ध्वनियाँ बेहतर पहचानता है।



सिर्फ़ ज़रूरी रिसीविंग नियंत्रण समायोजित करता है।



मार्गदर्शक समझे हुए कदम उसे करने देते हैं।



ठोस अवलोकन से आत्मविश्वास बढ़ता है।

तय मुलाकात



मार्गदर्शक दोनों स्टेशनों के बीच संपर्क सुझाते हैं।



वे भी अपना स्टेशन चलाने की शर्तें पूरी करते हैं।



वे सुनते हुए मिलने का तरीका तय करते हैं।



आवृत्ति फिर भी वास्तविक गतिविधि के अनुसार जाँची जाएगी।



तय समय दूसरों पर प्राथमिकता नहीं देता।



पहचाने व्यक्ति के साथ शुरुआत से वह खुश है।

अपने-अपने स्टेशन पर



मार्गदर्शक अपने स्टेशन जाते हैं।



वह तैयार अधिकृत स्टेशन पर रहता है।



उसके पास प्रमाणपत्र और अपना कॉलसाइन है।



कॉपी में जाँचे कदम एकत्र हैं।



दूर दूसरा ऑपरेटर भी स्टेशन तैयार करता है।



दो अलग जगहें एक बातचीत की प्रतीक्षा करती हैं।

कॉपी हाथ के पास



अकेले स्टेशन पर घबराहट लौटती है।



वह पर्ची पाता और शांत साँस लेता है।



उपयोग की पहचान फिर पढ़ता है।



संकेत जवाबों और अनपेक्षित बातों को जगह देते हैं।



हेडफ़ोन लगाकर आवाज़ पर ध्यान देता है।



अगला कदम भी सुनने से शुरू होता है।

कॉल से पहले जाँच



वह आवृत्ति की स्थिति पर्याप्त देर देखता है।



सही पहचान देते हुए विनम्रता से पूछता है कि आवृत्ति उपयोग में है या नहीं।



प्रसारण नियंत्रण छोड़कर सुनता है।



संभावित कमज़ोर उत्तर को भी समय देता है।



जाँच के अंत तक उपयोग की सूचना नहीं मिलती।

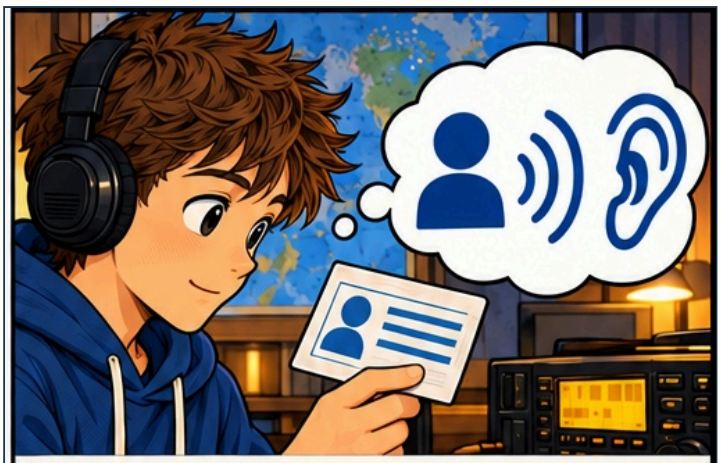


वह गतिविधि पर ध्यान रखते हुए कॉल तैयार करता है।

पहली कॉल



वह छोटा, स्पष्ट CQ देता है।



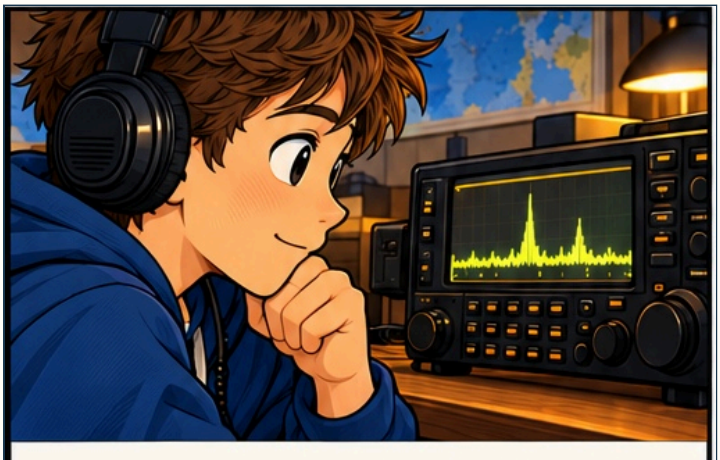
अपना कॉलसाइन बताता और सुनने की बात कहता है।



माइक्रोफ़ोन आरामदेह स्थिति में है।



फिर प्रसारण रोककर इंतज़ार करता है।



नज़र रिसीवर पर, पर कान भी मुख्य हैं।



कदम बढ़ा है; जवाब देने वाला अभी अज्ञात है।

अभी जवाब नहीं



पहली कॉल पर सुनाई देता जवाब नहीं आता।



वह थोड़ा निराश होकर कॉपी देखता है।



याद है: खामोशी सब नहीं समझाती।



शायद सामने वाले ने सुना न हो।



वह आसपास की गतिविधि सुनता रहता है।



इंतज़ार से प्रयास विफल नहीं हो जाता।

जल्दबाज़ी से बचना



वह पूरी खामोशी को आवाज़ से भरना चाहता है।



पर पर्ची विराम याद दिलाती है।



रिसीवर से स्थिति समझने देता है।



आवृत्ति और हालात बदल सकते हैं।



तैयारी को वास्तविक अवलोकन से मिलाता है।



धैर्य जवाब के लिए जगह रखता है।

दूसरा संयमित प्रयास



गतिविधि जाँचकर वह उचित कॉल दोहराता है।



पहचान स्पष्ट, शब्द छोटे रहते हैं।



ढाढ़स के लिए कई सेटिंग साथ नहीं बदलता।



कॉल के बाद प्रसारण नियंत्रण फिर छोड़ता है।



वह कमज़ोर संकेतों समेत अंत तक सुनता है।



इस बार आवाज़ उभरने लगती है।

कोई जवाब देता है



हेडफ़ोन में जवाब आकार लेता है।



हरे स्वेटर वाले ऑपरेटर ने उसे सुन लिया है।



आवाज़ परिचित है, पर पहले संबोधन जाँचता है।



समझ आए पहचान के हिस्से लिखता है।



दूसरे की बात पूरी होने का इंतज़ार करता है।



खामोशी अब बातचीत की शुरुआत है।

सही संबोधन



जवाब उसी की कॉल के लिए होना चाहिए।



वह सुनी बात अपने कॉलसाइन से मिलाता है।



दूसरा ऑपरेटर भी स्टेशन की पहचान देता है।



एक हिस्सा अभी अस्पष्ट है।



अनुमान के बजाय स्पष्ट प्रश्न तैयार करता है।



उत्तर की खुशी ध्यान नहीं मिटाती।

अपनी बारी



दूसरे के बाद वह बोलता है।



संपर्क की ज़रूरी पहचानें उपयोग करता है।



वह जवाब मिलने की पुष्टि करता है।



वाक्य छोटा, आवाज़ थोड़ी काँपती है।



फिर वह सुनने लगता है।



दो स्टेशन अपनी लय पाते हैं।

फिर से सुनने का अनुरोध



वह कॉलसाइन का अस्पष्ट हिस्सा फिर माँगता है।



सामने वाला शांत ढंग से स्पेलिंग दोहराता है।



वह खाली जगह अंदाज़ से भरे बिना सुनता है।



रखने से पहले नोट जाँचता है।



स्पष्टीकरण के लिए धन्यवाद देता है।



पूछने से संपर्क अधिक विश्वसनीय और स्पष्ट हुआ।

सच्ची रिपोर्ट



वे बताते हैं कि एक-दूसरे को कैसे सुनते हैं।



Lucas संकेत की असली समझने योग्य स्थिति बताता है।



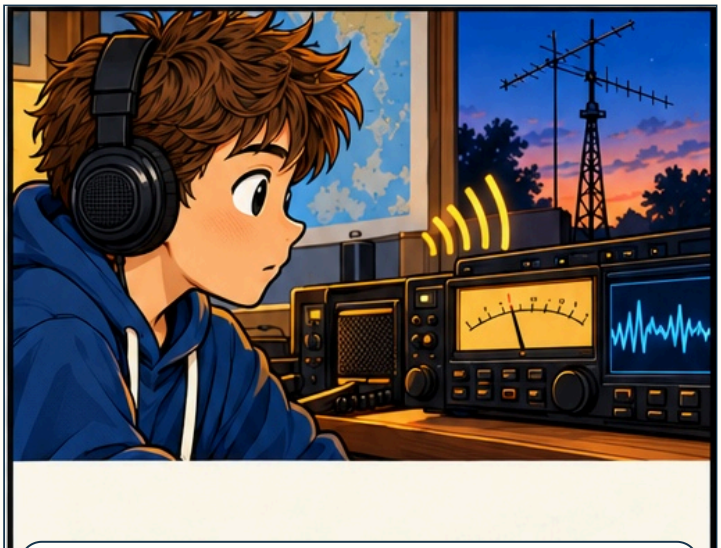
रिपोर्ट सुनने पर है, स्वचालित अंक पर नहीं।



सामने वाला भी उपयोगी जानकारी देता है।



वह आगे की गारंटी माने बिना लिखता है।



संपर्क के हालात बीच में बदल सकते हैं।

साधारण परिचय



वह तैयार परिचय के अंश बताता है।



आसान वाक्य में अपना पहला नाम साझा करता है।



जवाब सुनने को समय देता है।



सामने वाला भी परिचय देता है।



संकेतों के पीछे बातचीत अधिक मानवीय बनती है।



उसे सिर्फ़ उपकरण से बोलने का आभास नहीं रहता।

दूसरी आवाज़ का स्थान



सामने वाला संक्षेप में स्टेशन का स्थान बताता है।



वह भी उचित स्थान-संकेत साझा करता है।



ग्लोब रेडियो से जुड़े दो बिंदु दिखाता है।



अनावश्यक निजी निर्देशांक बताने की ज़रूरत नहीं।



वह यादगार के लिए उपयोगी जानकारी रखता है।



दूरी साझा जिज्ञासा बनती है।

पास लाने वाला विषय



वे रेडियो में रुचि की बातें करते हैं।



वह बताता है कि यह पहला QSO है।



सामने वाला बिना जल्दबाज़ी हौसला देता है।



वे सुनने में मिलने वाली खोजों पर बोलते हैं।



कॉपी पास है, पर वह सच में सुनता है।



तकनीक ने मुलाकात को जगह दी।

जब वाक्य धुँधला हो



अगले वाक्य का हिस्सा शोर में खो जाता है।



वह झिझककर फिर अनुरोध याद करता है।



सीधे बताता है कि क्या नहीं समझा।



फिर सामने वाले को दोहराने देता है।



आगे बढ़ने के लिए गुस्सा ज़रूरी नहीं।



छोटी अड़चन संपर्क का सामान्य चरण बनती है।

समझने में आसान जवाब



सामने वाला ज़रूरी शब्द और संयम से दोहराता है।



जवाब पर्याप्त सरल रखता है।



छूटा हिस्सा अब बेहतर समझ आता है।



वह छोटे शब्दों में समझ की पुष्टि करता है।



दोनों फिर बारी-बारी बोलते हैं।



शिष्टता ने बातचीत सुगम की।

संयमित संचालन



वह सिर्फ़ परिचित रिसीविंग सेटिंग जाँचता है।



हर कठिनाई पर शक्ति नहीं बढ़ाता।



आवाज़ सामान्य और माइक्रोफ़ोन सही जगह है।



सामने वाला सुनकर वाक्य ढालता है।



वे दिखावे से पहले समझ चाहते हैं।



सरल कदमों से बातचीत आगे बढ़ती है।

साझा याद



वह पूछता है कि QSL कार्ड स्वागतयोग्य होगा या नहीं।



सामने वाला संपर्क की याद तैयार करने को सहमत है।



वे उचित पुष्टि का माध्यम तय करते हैं।



वह सहमति को संपर्क जानकारी संग लिखता है।



कार्ड आदानप्रदान किए विवरण की पुष्टि कर सकता है।



वह सुनने और सही नोट की जगह नहीं लेता।

पहली विदाई



पहली बातचीत समेटने का समय आता है।



वह संपर्क और धैर्य के लिए धन्यवाद देता है।



वे मित्रवत विदाई कहते हैं, जिसमें पारंपरिक 73 भी है।



लागू नियमों के अनुसार फिर पहचान देता है।



प्रसारण रोककर सुनने पर लौटता है।



पहले QSO का आरंभ, संवाद और अंत है।

आखिरी शब्द के बाद



हेडफ़ोन कुछ पल कानों पर रहते हैं।



वह अपना प्रसारण समाप्त होना सुनिश्चित करता है।



संपर्क खत्म होने पर भावनाएँ उमड़ती हैं।



कॉपी देखकर खुलकर मुस्कराता है।



सामने वाला भी नोट समेटता है।



कुछ शब्दों ने यह दिन अलग बना दिया।

लॉग में संपर्क



याद ताज़ा रहते वह नोट साफ़ लिखता है।



वास्तव में बोले गए कॉलसाइन जाँचता है।



तारीख और UTC समय देखता है।



बैंड, मोड और मिली रिपोर्ट जोड़ता है।



सीखी बात का एक वाक्य भी लिखता है।



निजी लॉग अनुभव सँजोकर रखेगा।

याद रखने का कार्ड



वह साथी के लिए अपना QSL कार्ड बनाता है।



चित्र स्थान और रुचि की याद दिलाता है।



संपर्क का विवरण सही रहना चाहिए।



इसलिए भरने से पहले लॉग पढ़ता है।



याद दोनों स्टेशनों की है।



उसे अपना रूप देने में आनंद आता है।

याद की जाँच



भेजने से पहले हर जानकारी आखिरी बार जाँचता है।



गलत अक्षर दूसरे की पहचान बदल देगा।



गलत तारीख या मोड सटीकता घटाएगा।



सिर्फ़ सत्यापित कर सकने वाला सुधारता है।



अनावश्यक निजी बातें कार्ड से बाहर रहती हैं।



सुंदर रूप के साथ ध्यान से पढ़ी सामग्री है।

याद रवाना



वह तय किए तरीके से भेजता है।



आगे की जानकारी के लिए नोट सँजोता है।



पुष्टि का तुरंत आना ज़रूरी नहीं।



इंतज़ार में अपना QSO फिर पढ़ता है।



वह देखता है कि क्या सहायक था और क्या सीखना है।



संपर्क अब भी कुछ सिखाता रहता है।

कुछ दिनों बाद



तय पुष्टि-समय के बाद वे क्लब में मिलते हैं।



हरे स्वेटर वाला ऑपरेटर अपना कार्ड लाता है।



वह बातचीत के विवरण पहचानता है।



कार्ड की तुलना रखे हुए नोट से करते हैं।



दो यादें रेडियो की आवाज़ों-सी जवाब देती हैं।



पहले कार्ड का स्थान खास रहेगा।

जो सच में अहम था



Simon पहले QSO की मुख्य याद पूछते हैं।



वह पहले कॉल से पहले सुनना बताता है।



फिर मदद करने वाला दोहराने का अनुरोध।



कॉलसाइन और जाँच ने साफ़ संकेत दिए।



साथी के धैर्यवान जवाब ने बाकी किया।



वे वास्तविक प्रगति देखते हैं, प्रदर्शन की दौड़ नहीं।

मदद आगे बढ़ाना



वह क्लब के दूसरे शुरुआती के लिए पन्ना बनाता है।



सच में सहायक संकेत रखता है।



हर व्यक्ति को प्रसारण की ज़रूरी शर्तें पूरी करनी हैं।



पन्ने में सवाल और झिझक की जगह है।

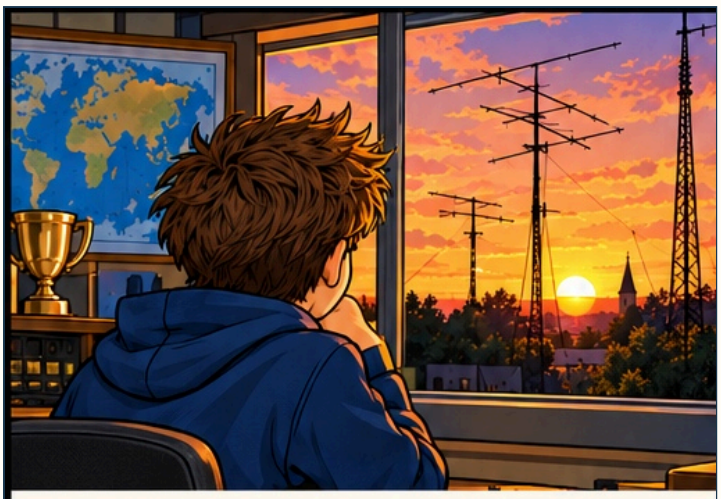


मार्गदर्शक साथ मिलकर सब पढ़ते हैं।



पहला संपर्क साझा करने योग्य अनुभव बन गया।

दुनिया करीब लगती है



सूर्यास्त पर वह क्लब से एंटेना देखता है।



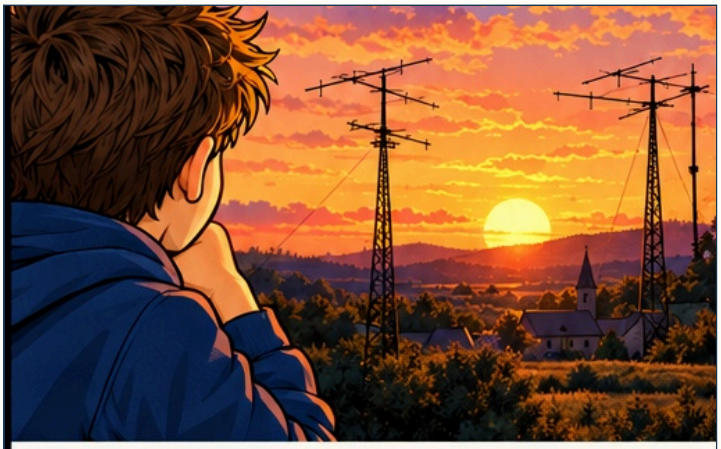
पहले जवाब से पहले की खामोशी याद आती है।



उसके पीछे सुनने को तैयार इंसान था।



लॉग और कार्ड मुलाकात का निशान सँजोते हैं।



और आवाज़ें तथा नए सवाल आएँगे।



जिज्ञासा के पास अब सच्चे संपर्क की याद है।

मेरा पहला QSO



Lucas फिर उस प्रभावशाली स्टेशन को देखता है।



अब यह एक आवाज़ और मुलाकात याद दिलाता है।



नए संपर्क में भी सुनना और जाँच चाहिए।



Simon उसकी सफलता छीने बिना खुशी बाँटते हैं।



लॉग सलीके से जिए पहले QSO पर बंद होता है।



जुनून जारी: तरंगें, इंसान और अनेक खोजें।